Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय-5
व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ

भाग - 9

अभ्यास प्रश्न - I

रूचिका सैनी



लघु उत्तरीय प्रश्न

1. ई-व्यवसाय और पारंपरिक व्यवसाय में कोई तीन अंतर बताइए।

आधार	ई-व्यवसाय	पारंपरिक व्यवसाय
स्थापना	सरल	कठिन
भौतिक उपस्थिति	नहीं	हाँ
संचार गति	आधुनिक	कम

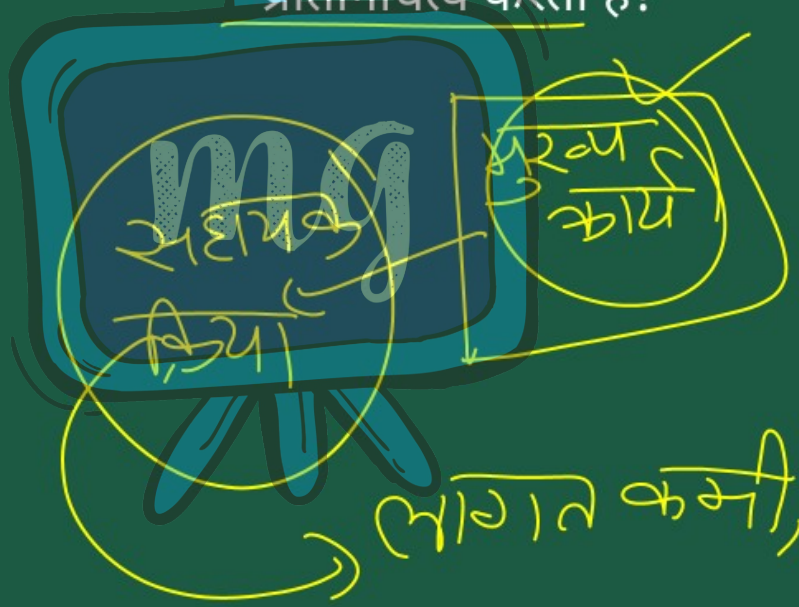


उत्तर : ई-व्यवसाय और पारंपरिक व्यवसाय में तीन प्रमुख अंतर निम्नलिखित हैं :

1. **स्थापना :** पारंपरिक व्यवसाय में निर्माण कठिन होता है जबकि ई-व्यवसाय में सरल।
2. **भौतिक उपस्थिति :** पारंपरिक व्यवसाय में आवश्यक, ई-व्यवसाय में नहीं।
3. **संचार की गति :** पारंपरिक व्यवसाय में लंबी अवधि, जबकि ई-व्यवसाय में तत्काल संचार संभव।



2. बाह्यस्त्रोतीकरण किस प्रकार व्यवसाय की नई पद्धति का प्रतिनिधित्व करता है?





2. बाह्यस्त्रोतीकरण किस प्रकार व्यवसाय की नई पद्धति का प्रतिनिधित्व करता है?

उत्तर :

☛ बाह्यस्त्रोतीकरण (BPO) व्यवसाय की उन नई प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करता है जो कार्यों को आंतरिक रूप से करने के बजाय विशेषज्ञ बाहरी एजेंसियों को सौंपने पर आधारित हैं।

☛ इससे लागत में कमी, दक्षता में वृद्धि और लचीलापन प्राप्त होता है।

3. ई-व्यवसाय के किन्हीं दो अनुप्रयोगों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।



1 - नीलामी

2 - सम्प्रेषण



3. ई-व्यवसाय के किन्हीं दो अनुप्रयोगों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर : ई-व्यवसाय के दो प्रमुख अनुप्रयोग हैं:

1. **ई-नीलामी :** उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं के लिए ऑनलाइन बोली लगाते हैं (जैसे एयरलाइन टिकट)।
2. **ई-संप्रेषण :** ऑनलाइन सर्वेक्षण, विज्ञापन बैनर, और मीटिंग्स के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग।



4. ई-व्यवसाय में डाटा संग्रहण एवं प्रसारण जोखिमों का वर्णन कीजिए।





4. ई-व्यवसाय में डाटा संग्रहण एवं प्रसारण जोखिमों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : ई-व्यवसाय में डाटा संग्रहण और प्रसारण के दौरान कई जोखिमें होती हैं,

जैसे :

- डेटा चोरी (जैसे क्रेडिट कार्ड जानकारी लीक होना)
- वायरस और हैकिंग
- पक्षों की पहचान की पुष्टि करना कठिन होना (साइबर जोख़िम)